खबर संक्षेप

घाटशिला में जेएमएम के सोमेश सोरेन की जीत

रांची। घाटशिला विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के सोमेश सोरेन ने जीत दर्ज की है। सोमेश ने बीजेपी के बाबूलाल सोरेन को 38524 वोटों से हराया। 20 राउंड की गिनती पूरी होने के बाद सोमेश सोरेन को कुल 104794 वोट मिले, जबकि भाजपा के बाबूलाल सोरेन को कुल 66270 वोट मिले। इस तरह पिता की विरासत को सोमेश ने कायम रखा और घाटशिला सीट जीतकर रामदास सोरेन के गढ़ को कायम रखा।

पेसा नियमावली पर हाई कोर्ट सख्त, मांगी रिपोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार को पेसा नियमावली लागू करने में आने वाली बाधाओं को दूर कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की

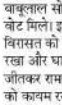

बिहार चुनाव में सीएम योगी का चला जादू

मुख्यमंत्री ने बताया- बिहार की जनता के अटूट विश्वास पर लगी है मुहर

बिहार चुनाव परिणाम में भाजपा और एनडीए की अपार सफलता पर सीएम योगी आदित्यनाथ की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने इसे जनता का अटूट विश्वास बताया।सीएम योगी ने कहा कि यह जनादेश विकास, सुशासन, समृद्धि और स्थिरता के उस मार्ग का समर्थन है।

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। तस्वीर साफ होते ही एनडीए की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनने जा रही है। नीतीश कुमार एक बार फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे, इस बात पर मुहर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य लगा चुके हैं। बिहार के चुनाव में उत्तर प्रदेश के नेताओं ने भी पूरी ताकत झोंकी थी। इस चुनाव में भी यूपी के फायरब्रांड सीएम योगी का जादू चला है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश विकास, सुशासन, समृद्धि व स्थिरता के उस मार्ग का समर्थन है।

16 अक्टूबर से शुरू किया था प्रचार

सीएम योगी ने 16 अक्टूबर से बिहार चुनाव प्रचार आगाज किया था। वह विभिन्न चरणों में एनडीए के सबसे ज्यादा मांग वाले स्टार प्रचारक के रूप में सामने आए। योगी ने दरभंगा में एनडीए उम्मीदवार के समर्थन में एक भव्य रोड शो भी किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कुल मिलाकर 10 दिनों के अभियान में 30 रैलियां व 1 रोड शो करते हुए उन्होंने 43 सीटों पर एनडीए के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया।

खास बातें

- बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत
- योगी ने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को दी हार्दिक बधाई

प्रचार के दौरान योगी का गोरदार स्वागत

बिहार चुनावों कार्यक्रमों में योगी को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। बिहार के कई इलाकों में लोग छतों, दीवारों, पेड़ों, यहां तक कि खुलेछोर पर खड़ाकर उनका स्वागत करते दिखे थे। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वे बिहारवासियों को सबसे अधिक आकर्षित करने वाले स्टार प्रचारक साबित हुए।

रूपी मॉडल छाया

रैलियों में योगी ने यूपी में अपनी सरकार की जीत दोहराने गरीब, अपराध नियंत्रण व सुशासन के मॉडल को प्रमुखता से रखा। उन्होंने जंगलराज, अपराध, भ्रष्टाचार को मुद्दों पर राजद-राजग व महागठबंधन को घेरा और एनडीए सरकार को स्थिर बताते हुए समर्थन मांगा।

31 रैलियों के जरिए 43 उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया

बिहार में एनडीए की जीत पर सीएम योगी ने खुश पोस्ट शेयर कर लिखा कि बिहार विधान सभा चुनाव में भाजपा-एनडीए गठबंधन की प्रचंड विजय की समीति कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई व जनता-जनार्दन का अभिनंदन है। यह ऐतिहासिक विजय पीएम मोदी के विकसोन्मुख मार्गदर्शन व डबल इंजन सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों पर जनता के अटूट विश्वास की मुहर है। कहा कि यह जनादेश विकास, सुशासन, समृद्धि और स्थिरता के उस मार्ग का समर्थन है, जिस पर बना बिहार आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है।

बिहार के नतीजों से दुखी हुए पप्पू यादव, बोले-

जनता से कुछ नहीं कहूंगा

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में एक बार फिर एनडीए की बहार की संभावना अब प्रबल होती जा रही है। राज्य में चुनावी तस्वीर धीरे-धीरे स्पष्ट हो रही है। विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले शुरुआती रुझानों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन भारी बहुमत जीत दर्ज की। दोनों दलों के कार्यालयों में जश्न शुरू हो गया है। वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन के खेमे में मायूसी का माहौल है। पूर्णिया

के सांसद रह चुके पप्पू यादव भी दुखी नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि ये नतीजे बिहार के लिए दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

तेज प्रताप ने की पीएम मोदी-अमित शाह की तारीफ

तेजस्वी हो गया फेलस्वी, अब राजनीति परिवारवाद की नहीं

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत मिली है। राजधानी में डबल जीत लगाई है। वहीं, महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा। खुद तेजस्वी यादव भी लंबे समय तक राघोपुर सीट से पीछे रहे। इसके अलावा, लालू यादव के एक और बेटे तेज प्रताप यादव को महुआ सीट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद

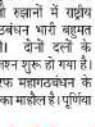

तेज प्रताप ने आरजेडी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है, जबकि पीएम मोदी और अमित शाह की प्रशंसा की है। उन्होंने अपने भाई तेजस्वी को फेलस्वी करार दिया है। तेज प्रताप यादव ने अपनी पार्टी जनशक्ति जनता दल के फेसबुक पोस्ट पर लिखा है कि हमारी हार में भी जनता की जीत छिपी है। आज के परिणामों को भी जनादेश के रूप में स्वीकार करता हूं। हमारी हार कर भी जीत हुई है-क्योंकि बिहार में यह साफ संदेश दे दिया है कि अब राजनीति परिवारवाद की नहीं, सुशासन और शिक्षा की होगी।

पेज एक का शेष

एनडीए की जीत...

दुबार, एनडीए के उम्मीदवारों- विशाल प्रशांत, उदय कुशवाहा और जीतन राम मांझी को बधाई की। पीएम ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए छठी मैया की जय के नारे भी लगाए।

जीत का नया एनवाई...

बाकी सभी का अभिनंदन करता हूं। पीएम ने कहा, यह मैं मानें तो बरकत बढ़ता हुं कि बिहार के युवाओं ने एक और बार विकसित बनें। बेटा का मानना खासकर युवा मानता, मानता सूची की शुद्धिकरण को बहुत सराहना से लेता है। बिहार के युवा ने भी मतदाता सूची शुद्धिकरण को जबरदस्त तरीके से समर्थन दिया है। लोकतंत्र की पवित्रता के लिए हर मतदाता का उसकी जरूरिमता होगी है, उसका हक होता है। अब हर दल का यह दायित्व बनता है कि वे पीसिंग बूथ पर अपनी पार्टियों को वाकिय करें और मतदाता सूची शुद्धिकरण के काम में जनता के साथ जुड़ी अत-पंजित बेमतलब के गांठ बाकी जगहों पर ने कारगत सूची का शुद्धिकरण हो सके। पीएम ने कहा, बिहार में शुद्धिकरण की जगह जब संशुद्धिकरण के ले ली है। संशुद्धिकरण में उन्हें बड़ा मान है। बिहार के लोग अब देश विकास चाहते हैं, विकसित भारत बनाना चाहते हैं। वई सरकार के साथ बिहार अब 25 वर्षों की स्थगित बाज की तरफ बढ़ रहा है। बिहार में सुविधित विपत है कि बिहार में अब कभी जंगलराज की वापसी नहीं होने वाले है।

1.जंगल की यह जीत बिहार की उन माताओं, बहनों और बेटियों की है, जिन्होंने वर्षों तक राजद के शासन में जंगलराज का आतंक झेला है। वे जीत बिहार के उन नौजवान की है, जिसके भविष्य को कांग्रेस और लाल झंडे के आतंक वालों ने खाक किया। ये गोलियेंडर और आतंक के दिन अब इतिहास बन गए हैं। आज के यह परिणाम उन विकास विरोधियों को भी बिहार का जवाब है, जो कहते थे और बेगमों से कहते थे कि बिहार को एक्सप्रेस-वे और हाईवे नहीं चाहिए। बिहार को इंडस्ट्री नहीं चाहिए। बिहार को ट्रेन और विमान नहीं क्या जरूरत है। आज के यह परिणाम परिवारवाद के खिलाफ विकासवाद की राजनीति को दिया गया जवाबेह है। भारत के विकास में बिहार के लोगों की बड़ा बड़ी भूमिका रही है। लेकिन जिन लोगों ने दशकों तक देश पर शासन किया, उन लोगों ने हमेशा बिहार की एक झूठी छवि बनाई थी। इन लोगों ने बिहार को बदनाम किया था। हम लोगों ने ने बिहार के गौरवशाली संस्कृति का सम्मान किया और न ही वर्षों के लोगों की इज्जत की। जो लोग छठ पूजा को ड्रामा कह सकते हैं वे बिहार की पूजा का कितना सम्मान करते होंगे।

मोदी ने कहा कि इसकी हकीकी देखिए, राजद और कांग्रेस वालों ने छठी मैया के अब तक माफी नहीं मांगी है। बिहार के लोग यह कभी नहीं भूलेंगे। हमारी सरकार छठ को यूनेस्को की हैरिटेज लिस्ट में शामिल कराने का प्रयास कर रही है। लेकिन यह है कि पूरा देश, पूरी दुनिया, इसके महत्व से, इसे संस्कृति से जुड़ रहेगा जब इस बार छठ पूजा के दौरान रेलवे स्टेशनों पर छठी मैया के गीत गूंजे तो हर कोई इस पावन पर्व में सम्मिलित होना चाहेगा। पिछले सात दशक के लोगों ने लगातार तोड़ने वाला एक्सप्रेस वे अपना जमकेश किया। 60 वर्षों बाद ऐसा अवसर आया, जब किसी को लगातार तोड़ने वाला सत्ता में आने का अवसर मिला। यह देश के विश्वास का, केशवासियों के आशीर्वाद का परिणाम रहा। लोकतंत्र खुशाह के बाद देश के कई राज्यों में ने हमें विधानसभा चुनावों में प्रचंड बहुमत के साथ जीत मिली। जिस हरियाणा की धरती ने जय जवान, जय किसान की भावना को आगे बढ़ाया, उस हरियाणा ने लगातार तोड़ने वाला हर्ष जीत का अवसर दिया। छत्रपति शिवाजी महाराज, बाबासाहेब आंबेडकर और वीर सावरकर की पुण्य भूमि महाराष्ट्र ने भी प्रचंड जीत मिली। लगातार तोड़ने बाद महाराष्ट्र ने हमें रिजल्ट बनाया हम 25 वर्ष बाद देश की राजधानी में जीते। और आज बिहार में जहां इतनी बड़ी जनसंख्या शामिल इलाकों ने बताते है, हम वहां जीत कर आए हैं।

पीएम बोले, भाजपा की एनडीए की सरकारों को 20-20 साल बाद भी जनता चुन रही है तो यह प्रो पीपुल, प्रो गवर्नेंस और प्रो डेवलपमेंट राजनीति की स्वाजन है। यह भारत की राजनीति का नया आधार है। हमें आधार पर चलते हुए, हम बिहार को विकसित बनाएंगे। देश को विकसित बनाएंगे। जिस पार्टी ने सबको तकर दी। पर राज किया, उस पर देश की जनता का विश्वास लगातार घट रहा है। कांग्रेस अरोपों रुपयों में लगातार खाए से बाहर है। बिहार में 35 साल, कुशवाहा में 30 साल कुर्सी में रांगेस पार उलाड और पश्चिम बंगाल में कांग्रेस पांच दशक से कांग्रेस की सरकार लौटी नहीं है। पिछले तीन लोकसभा चुनावों में कांग्रेस तीन अंकों की संख्या तक नहीं पहुंच पाई है। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद देश के छह राज्यों ने चुनाव हुए, इनमें में कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। आज ही के दिन पिछे एक चुनाव में हमारे जितने विधायक चुने गए हैं, कांग्रेस के उतने विधायक पिछले छह चुनाव में नहीं जीत पाए हैं। वे कांग्रेस मुस्लिम लीग-माओवादी कांग्रेस हमारुनी है। कांग्रेस का पूरा एजेंडा अब इन्हीं पर टिका है।

कांग्रेस के भीतर अब यही धड़ा पैदा हो रहा है। यह धड़ा कांग्रेस पॉलिटिक्स से अलग है। यह कांग्रेस के जो नामधर हैं, वे कांग्रेस को जिस रास्ते पर लेकर चल रहे हैं, उसके प्रति घोर निराश अंदर ही अंदर पनप रहे हैं। मुझे आशंका है कि अगले कांग्रेस का रुपा और बड़ा विभाजन हो। नामियों कांग्रेस के लोगों को समझने लगे हैं कि कांग्रेस अपनी इस अराजकतावाद राजनीति से सबसे को डुबो रही है। कांग्रेस के नामधर वालान में डुबकी लगाकर बिहार में खुद डूबने और दूसरों को डुबाने की पॉलिटक्स कर रहे हैं। मैंने पहले भी इसी मंच से कांग्रेस के सहयोगियों को चेतावनी दी थी कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टनरशिप है, जो अपने सहयोगियों के वोट बैंक को निगलकर अपनी वापसी करना चाहती है। इसलिए कांग्रेस से सावधान रहने की जरूरत, उसके सहयोगियों को भी है। आज बिहार में राजद को संघ सूपड़ा हुआ है। बहुत जल्द दोनों का इलाज उन्हें खुलकर सामने आने वाला है। अजी की यह जीत एक नई यात्रा की शुरुआत है। बिहार में जो बनेगा जनता है उसने हमारे केंद्र पर जिम्मेदारी और बढ़ा दी है।

बिहार में नमो सुनामी...

एनडीए की जीत में महिलाओं ने एक नया मुकाबला रच दिया। उन्हें करोड़ महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए मानधन के तौर पर और सत्ता का सत्ता खेल खत्मकराया हो भगाया गया तो तेजस्वी ने भी 30-30 हजार रुपए खाते का लिख या पर मतदाताओं से उनके वादे पर राजीव नहीं किया। उनसे पूछा गया कि हमारा पैसा लाइने कहां से है हर घर से एक सदस्य को नौकरी देने कहां से आये, लाए और फिर महाराष्ट्र के बाद महिलाओं ने बिहार में पलायित को जंगलराज जेल का गोहराद दिया। फिर, लालू, परिवार और राजद को जंगलराज व कराएगा का मुद्दा में भरी पड़ गया। वे इस मुद्दे को सबर बहीं टूट पर जबकि मतदाता ने नीतीश के इसे तांत्रिक परिणति पर पहुंचा दिया। रोजगारों सीपल चेन योजना कारण भी महागठबंधन के लिए आत्मघाती साबित हुआ। महागठबंधन के साथ जुड़े छोटे दलों का भी गुब्बा साफ हो गया जबकि एनडीए के छोटे सहयोगी दलों ने सम्मानजनक प्रदर्शन किया। बिहार चुनाव में 243 में से 202 सीटों के साथ एनडीए रिकॉर्ड जीत हुई है। जबकि महागठबंधन के खाते में 35 सीटें आई हैं। एनडीए को 2020 के मुकाबले 70 से ज्यादा सीटों का फायदा हो रहा है, वहीं महागठबंधन को लगभग हानि ही सीटों का नुकसान हो रहा है। एनडी जीत के बीच सबसे चौंकने, ललन सिंह व नीतीश कुमार के मुकाबला की। पिछली बार 43 सीटों पर जिसदी उसीपुरा को इसने ही हरते बार 42 सीटें अधिक मिली हैं। वहीं 89 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बड़े चेहरों में राघोपुर से तेजस्वी यादव करीब 12 हजार वोटों से जीत गए हैं। तेजप्रताप यादव महुआ से चुनाव हार गए हैं। महागठबंधन ने राजद के खाते में 26, जबकि कांग्रेस ने सीटों पर जीते हैं। इसके की पार्टी जन सुराज और सीजेपीने सब खाता भी नहीं खुला है। बिहारीय जनता अब 3 जीटों पर बढ़ता बनाए हुए हैं।

एनडीए के छोटे सहयोगियों का भी जलवा- कांग्रेस ने आगे निकलें जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम), उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी भी दमदार

कांग्रेस, नाराज और भाजपे से भी आगे खोले द्वार- वे एक नया मुकाबला रच दिया। ढेर करोड़ महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए मानधन के छाले गए और उसे का उसे खेल एकदम्पत्ती हो गया। वहां तो तेजस्वी ने भी 30-30 हजार रुपए हालने का किया था पर मतदाताओं ने उनके वादे पर कांग्रेस नहीं किया। उनसे पूछा गया कि हमने पैसा लाइनों कहां से? हर घर से एक सदस्य को नौकरी देने कहां से आये, लाए और फिर महाराष्ट्र के बाद महिलाओं ने बिहार में एनडीए की अपारदल जीत का तोहफा दिया। फिर, लालू परिवार और राजद को जंगलराज व कराएगा का मुद्दा में भरी पड़ गया। वे इस मुद्दे को बाद बहीं टूट पर जबकि मतदाता व नीतीश ने इसे तांत्रिक परिणति पर पहुंचा दिया।

क्या नीतीश कुमार...

लहा है। सीएम कौन होगा इसका फैसला पार्टी पर्यवेक्षक तय करेंगे।

जिन्हें डिप्टी सीएम...

कांग्रेस और राजद के उम्मीदवारों को ही कुर्सी का सामना करना पड़ा।

84% रहा सीएम ...

प्रचार शुरू किया था और आखिरी सभा उन्होंने 9 नवंबर को की थी। हाँ यादव ने लगभग आधे बिहार में 28 सभाएं और रोड शो किए। जिन सीटों पर उन्होंने प्रचार किया, उनमें से अधिकांश में भाजपा और उसके सहयोगी दल ने जीत दर्ज की। बुधवार को डॉ. यादव अचानक इंदौर के गोपाल मंदिर पहुंचे और नंगे टेंका। इस दौरान उन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग उन्हें बिहार चुनावों के रिजल्ट को लेकर बधाई देने लगे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं को जीत पर लड्डू खिलाए।

भाजपा के अन्य नेता भी रहें सफल- पार्टी नेतृत्व ने प्रदेश भाजपा के अन्य नेताओं को भी बिहार चुनाव में जवाबदारी सौंपी थी, वे भी सफल रहे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा को 19 विधानसभा सीटों की जिम्मेवारी दी थी। इनमें से 17 पर एनडीए ने जीत प्राप्त की। कभी एक महीने तक वे बिहार में ही रहे और बूथ प्रबंधन का काम देखा। तिनबाग और डॉ. नवीन किशोर को विरहुल और मिथिला क्षेत्र की 58 सीटों की जिम्मेवारी दी गई थी। वोटों तोल के साथ लगभग डेढ़ गह बिहार में रहे। उन्होंने बूथ प्रबंधन को लेकर काम किया, जिसका लाभ यह हुआ कि विरहुल क्षेत्र की 28 में से 26 और मिथिला की 30 में से 24 सीटें एनडीए ने जीतीं है। विधानसभा सत्रों में बिहार में रहे।

पीएम मोदी के...

बिहार के बाद बिहार के परिणाम यह बता रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए की लहर पर टिकी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की दुष्प्रचारों से जनता का मन टूट चुका है।

नीतीश की विश्वसनीयता...

मुद्दों पर जनता अधिक पोलिटल अन नादता के जीवन से दूर महसूस हुआ। वहीं, राष्ट्रीय तांत्रों का लंबे समय तक बिहार से दूर रहना और अभियान में अरुचिकता ने उनकी विश्वसनीयता को कमजोर किया। कांग्रेस, जिसे कभी बिहार से सत्ता जनाधार हासिल था, इस चुनाव में पूरी तरह राजद-बिहार गठबंधन आई। टिकट बंटवारे में असंतोष और संगठन स्तर पर उदासी को लाने ने उसके प्रदर्शन को और गिरा दिया। चुनाव के अंतिम क्षण तक महागठबंधन में सिंबल और सीट शेयरिंग को स्पष्टता नहीं होना, पूरे अभियान को लगातार कमजोर बनाता रहा। इसके विपरीत, नीतीश कुमार की राजनीतिक विश्वसनीयता एनडीए के लिए एक स्थिर स्तंभ बनी रही। जदयू को यह फायदा साथ तौर पर पूरानी कार्डों में मिला। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर निजी हमले, विशेषकर वोट चोरी जैसे आरोपों को केंद्र में रखकर चलाया गया कैंपेन भी लाभ उलटा पड़ा है। मतदाताओं ने इसे मूलभूत राजनीति मान और एनडीए ने इस अभियान का पलटवार लाभ उठाया।

राजद का सामाजिक न्याय का बैरोमेट्रो डेअसफल- राजद का सामाजिक न्याय का बैरोमेट इस बार उतना असरदार नहीं रहा। लालू यादव की राजनीति मने ही सामजवाद के विरुद्ध उठी हो, लेकिन जमीन पर यह भी लगा कि उन्होंने एक पैरामिलेक्स समेती ऊस्तुति कायम करने की कोशिश की, जिसे आज का बिहार पूरी तरह अस्वीकार चुका है। कभी लालू कहते थे- तब सत्ता न तोड़क के कारक- लेकिन, बिहार की नई पीढ़ी इस शैली की राजनीति से आगे बढ़ चुकी है। प्रबंध विकास राजद ज्यादा चर्चाओं के केंद्र में है। उनके प्रबंधन ने तमाम बड़ के स्वाली को उजाड़ दिया है। ये भी चर्चा कि उनकी बुकिंग का सीध फायदा एनडीए को हुआ है। अधिक प्रशंसा का एजेंडा तय था' तमोम तंत्र जाल ने बिहार में अधिकार रहा। नाथ-नाथ तक हवा बनाई जनसुराज ने लेकिन कार्डों तक वहीं पहुंच सके। एक कांग्रेस रणनीतिकार आखिर कैसे पूक गया जमीन पर बेहद कमजोर उम्मीदवार के साथ ही खुदआने आक्रामकता के बाद लगातार सूख पहले जान में उन पर उबल बड़े करता है। उबाल यह में कि चुनाव से कांग्रेस एक जरूरत पहले जब तमाम पार्टियां और नेता अपनी ताकत लगाए थे, प्रशांत खामोश थे। जरूरी और जमीनी मुद्दों को कायम के साथ उठाने वाले प्रशांत को बिहार ने एक आस के साथ देखा तो था ही।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम (1) नीतू, पुत्र: पृथ्वी सिंह (2) पृथ्वी सिंह पुत्र धर्म सिंह पता: 61, पोल नंबर 62, पुरानी सीपाल के पास, नकलोना गांव, दिल्ली उत्तम नगर, द्वारका दिल्ली (3) मूर्ति देवी पत्नी: श्री परिपाल सिंह पता: 45/48 ग्राउंड फ्लोर, शिव राम पार्क निहाल विहार, बाहरी जिला, दिल्ली, ने उक्त अभियुक्त (1) नीतू (2) पृथ्वी सिंह (3) मूर्ति देवी, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 15.12.2025 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कोमल गर्ग
जेएमएफसी-03, कमरा नंबर 292
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/15315/OD/2025
(Court Matter)

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	कोर्ट/विभाग/इकाई का नाम	कार्य मूल्य विवरण का नाम	मूल्य की वेब साइट पर होने की तिथि (समय)	बोली (समय) प्रारंभ	कोर्ट/विभाग/इकाई की वेबसाइट	वेबसाइट/समर्थ विवरण/ई-मेल
1	गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए)	जीएमडीए डेटा सेंटर में सिक्योरिटी उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, प्रचालन और रखरखाव।	14.11.2025 27.11.2025	रु. 9.5 करोड़	www.gmda.gov.in	8851491954 adegmda@gov.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद- 13/2026/40/40345/I/88/7 दि. 14.11.25

फॉर्चयून इंटरनेशनल लिमिटेड

सीआईएन: L52324DL1981PLC012033
पंजीकृत कार्यालय: जी-4, सामुदायिक केंद्र, नारायणा विहार, नई दिल्ली-110028
निवेशकों के लिए ई-मेल आईडी: rekha.srivastava2016@gmail.com टेलीफोन: 011-25774212-214

30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही/वर्षांत के लिए अलेखापरीक्षित एकल और समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश

(आंकड़े लाख में)

विवरण	एकलआंकड़ीय परिणाम					समेकित परिणाम				
	30.09.2025 को समाप्त तिमाही (अ-लेखापरीक्षित)	30.06.2025 को समाप्त तिमाही (अ-लेखापरीक्षित)	30.09.2024 को समाप्त अर्ध वर्ष (अ-लेखापरीक्षित)	30.09.2024 को समाप्त अर्ध वर्ष (अ-लेखापरीक्षित)	31.03.2025 को समाप्त वर्ष (लेखापरीक्षित)	30.09.2025 को समाप्त तिमाही (अ-लेखापरीक्षित)	30.06.2025 को समाप्त तिमाही (अ-लेखापरीक्षित)	30.09.2024 को समाप्त अर्ध वर्ष (अ-लेखापरीक्षित)	30.09.2024 को समाप्त अर्ध वर्ष (अ-लेखापरीक्षित)	31.03.2025 को समाप्त वर्ष (लेखापरीक्षित)
परिचालन से कुल आय (शुद्ध)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर से पहले, असाधारण और/या असाधारण मदों)	-1.93	87.31	-2.44	84.05	79.23	-1.93	-2.57	-2.44	-5.82	-10.65
कर से पहले अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण मदों के बाद)	-1.93	87.31	-2.44	84.05	79.23	-1.93	-2.57	-2.44	-5.82	-10.65
कर के बाद अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण मदों के बाद)	-1.93	66.15	-2.44	62.60	59.29	-1.93	-23.72	-2.44	-26.66	-30.59
अवधि के लिए कुल व्यापक लाभ [अवधि के लिए लाभ/(हानि) सम्मिलित (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	-1.93	66.15	-2.44	62.60	59.29	43.38	163.62	216.06	305.32	426.66
प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	704.00	
आरक्षित निधि (पिछले वर्ष की बैलेंस शीट में प्रदर्शित अनुसार पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को छोड़कर)	–	–	–	–	-232.50	–	–	–	–	2632.45
प्रति शेयर आय (नियत और बंद परिचालनों के लिए)										
मूल	-0.03	0.94	-0.03	0.89	0.84	0.62	2.32	2.07	4.34	5.86
तनुकृत	-0.03	0.94	-0.03	0.89	0.84	0.62	2.32	2.07	4.34	5.86

परिसंपत्तियों और देयताओं का अलेखापरीक्षित विवरण

क्र. सं.	विवरण	एकलआंकड़ीय		समेकित	
		30 सितंबर, 2025 तक स्थिति लाखों में	31 मार्च, 2025 तक स्थिति लाखों में	30 सितंबर, 2025 तक स्थिति लाखों में	31 मार्च, 2025 तक स्थिति लाखों में
I.	परिसंपत्तियां				
1	गैर-चालू परिसंपत्तियां				
	(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	–	–	–	–
	(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर	4.29	4.29	4.29	4.29
	(ग) वित्तीय परिसंपत्तियां				
	(i) निवेश	370.31	370.31	4453.02	4.235.41
	(घ) अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियां	–	–	–	–
2	चालू परिसंपत्तियां				
	(क) वित्तीय परिसंपत्तियां				
	(i) व्यापार	–	–	–	–
	(ii) नकद और नकद समतुल्य	124.73	134.04	124.73	134.04
	(ख) चालू कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	7.39	1.09	7.39	1.09
	(ग) अन्य चालू परिसंपत्तियां	7.12	4.80	7.12	4.80
	कुल	513.73	516.33	4597.33	4.381.42
II.	इक्विटी और देयताएं				
	इक्विटी				
	(क) इक्विटी शेयर पूंजी	704.00	704.00	704.00	704.00
	(ख) अन्य इक्विटी	-235.07	(232.63)	3848.54	3.632.46
	कुल इक्विटी				
	देयताएं				
1	गैर-चालू देयताएं				
	(क) वित्तीय देयताएं				
	(i) उधार	43.00	43.00	43.00	43.00
2	चालू देयताएं				
	(क) वित्तीय देयताएं				
	(i) व्यापार देय	–	–	–	–
	(ख) कुल कराधान (समूहगत) के आलावा अन्य वर्तमान कर देयताएं	1.53	1.53	1.53	1.53
	(ग) अन्य चालू देयताएं	0.27	0.43	0.27	0.43
	कुल	513.73	516.33	4597.33	4.381.42

विस्तृत वित्तीय परिणामों के लिए QR कोड स्कैन करें

नोट: उपर दिया गया विवरण सेबी (सूचीकरण एवं अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों में दाखिल तिमाही/अर्धवार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक अंश है। तिमाही/अर्धवार्षिक वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट: http://www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट: http://www.fortuneinternational.in पर भी उपलब्ध है।

फॉर्चयून इंटरनेशनल लिमिटेड के लिए
हस्ता./-
रुकिमा गाडवान
निदेशक
डीआईएन-00298459
स्थान: नई दिल्ली

SAMTEX FASHIONS LIMITED

Regd. Office & Works: Khasra No 62, D 1/3 Industrial Area, Rajarampur, Sikandrabad, Bulandshahr UP- 203205 IN
CIN: L17112UP1993PLC022479, Email: samtex.compliance@gmail.com, Website: www.samtexfashions.com, Ph. No.: 011-49025972

EXTRACT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND HALF YEAR ENDED 30TH SEPTEMBER, 2025

(Rs. In Lakhs except per share data)

Sl No	Particulars	Standalone						Consolidated					
		Quarter ended			Half Year ended		Year ended	Quarter ended			Half Year ended		Year ended
		30-09-2025 Unaudited	30-06-2025 Unaudited	30-09-2024 Unaudited	30-09-2025 Unaudited	30-09-2024 Unaudited	31.03.2025 Audited	30-09-2025 Unaudited	30-06-2025 Unaudited	30-09-2024 Unaudited	30-09-2025 Unaudited	30-09-2024 Unaudited	31.03.2025 Audited
1	Total Income from operations	–	–	0.09	–	0.09	0.22	1.15	0.51	0.58	1.65	0.58	3.13
2	Net profit/(loss) for the period before tax (before Exceptional and/or Extraordinary items)	-6.21	-10.08	-5.52	-16.29	-14.24	-29.57	-6.15	-12.40	-7.48	-20.55	-19.22	-39.56
3	Net profit/(loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	-6.21	-10.08	-5.52	-16.29	-14.24	-29.57	-6.15	-12.40	-7.48	-20.55	-19.22	-39.56
4	Net profit/(loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	-6.21	-10.08	-5.52	-16.29	-14.24	-29.57	-6.15	-12.40	-7.48	-20.55	-19.22	-39.56
5	Total Comprehensive Income for the period (Composing Profit/Loss for the period after tax and other Comprehensive Income after tax)	-6.14	-10.08	-5.32	-16.22	-14.04	-29.23	7.56	-13.05	-3.62	-5.17	-15.33	-29.08
6	Equity Share Capital	1490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00	1,490.00
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve as shown in the Balance Sheet of previous year)						-1,490.56						-25455.57
8	Earnings Per Share (before extraordinary items) Basic (Face Value Rs.2 Per share)	-0.01	-0.01	-0.01	-0.02	-0.02	-0.04